>

Title: Regarding licence to opium farmers in Chittorgarh, Rajasthan-laid.

श्री सी.पी. जोशी (चित्तौड़गढ़): मेरा संसदीय क्षेत्र तथा आसपास का क्षेत्र देश का सबसे बड़ी अफीम उत्पादक क्षेत्र है । लेकिन अफीम में मार्फीन की मात्रा जो कि किसी भी तरह से किसानों के नियंत्रण में नहीं रहती है, उसमें कमी की वजह से हजारों किसानों के लाइसेंस कट जाने की आशंका रहती है । विभिन्न कारक जैसे खराब मौसम, जलवायु में परिवर्तन से भी मार्फीन की मात्रा में परिवर्तन हो जाता है जो कि किसी भी तरह से । किसानों के नियंत्रण में नहीं है । कई बार ऐसा होता है कि औसत तो अफीम की सर्वश्रेष्ठ होती है, लेकिन उसी अफीम के मार्फीन की मात्रा पूरी नहीं पाये जाने पर लाइसेंस निरस्त हो जाता है । इस संबंध में मेरा निवेदन है कि अफीम के पट्टों को औसत के आधार पर ही प्रदान किया जाये जिससे क्षेत्र के किसान खुशहाल जीवन यापन कर सके।